वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 33 | शनिवार 4 जुलाई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

राज्य सरकार पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध: दिलावर

जयपुर. शाबाश इंडिया

पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पंचायती राज संस्थाओं को वित्तीय एवं प्रशासनिक रूप से अधिक सशक्त, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। ग्रामीण विकास की गति को तेज करने तथा स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वित्तीय विकेंद्रीकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ग्रामीण स्थानीय निकायों की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ-साथ आधारभूत सुविधाओं के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राजस्थान सरकार इन अनुशंसाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। दिलावर ने कहा कि सहकारी संघवाद की भावना को सशक्त बनाने में इस प्रकार की राष्ट्रीय कार्यशालाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। राज्यों के बीच अनुभवों, नवाचारों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान स्थानीय शासन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी तथा जनोन्मुखी बनाने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के पंचायती राज मंत्री, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लेकर 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया।

हेरिटेज किड्स फैशन शो के ग्रैंड फिनाले में नन्हे सितारों ने बिखेरा हुनर

रैंप पर बच्चों का आत्मविश्वास बना आकर्षण

फैशन के साथ जागरूकता का संदेश, हेरिटेज किड्स फैशन शो का भव्य समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

नन्हे कदम जब पूरे आत्मविश्वास के साथ रैंप पर उतरे तो पूरा सभागार तालियों की गूंज से भर उठा। रंग-बिरंगे परिधानों, आकर्षक रैंप वॉक, मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों और सामाजिक संदेशों से भरपूर प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। मौका था हेरिटेज किड्स फैशन शो (एचकेएफएस) सीजन-5 के ग्रैंड फिनाले का, जिसका आयोजन शुक्रवार को जवाहर कला केंद्र के रंगायन सभागार में किया गया। कार्यक्रम में 1 से 16 वर्ष आयु वर्ग के करीब 40 बच्चों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने फैशन, अभिनय, नृत्य, अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद दर्शकों ने तालियों से बच्चों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम का शुभारंभ जवाहर कला केंद्र के अतिरिक्त महानिदेशक गोपालराम बिरदा, मुख्य संरक्षक बसंत जैन, निर्मला जैन, मीनाक्षी सोलंकी, समाजसेवी दिनेश सैनी, अर्विक, अर्चना बैराठी और विपिन बैराठी सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद प्रस्तुत गणेश वंदना ने पूरे सभागार को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। ग्रैंड फिनाले का प्रमुख आकर्षण रहे चाइल्ड स्टार अर्विक बैराठी ने अपनी ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुति से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने लोकप्रिय गीतों पर शानदार प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं।

धर्म जागृति संस्थान के सहयोग से मिथिलापुरी में बन रहा युवा वर्ग के आध्यात्मिक निर्माण का केंद्रः आचार्य विद्यानन्द सभागार

जयपुर/सुरसंड (सीतामढ़ी). शाबाश इंडिया

नेपाल सीमा के समीप स्थित जैन धर्म के पावन तीर्थ मिथिलापुरी (सुरसंड) में, जहाँ भगवान मल्लिनाथ एवं नमिनाथ के आठ कल्याणकों की गौरवशाली स्मृतियाँ जुड़ी हैं, वहाँ आचार्य श्री 108 वसुनन्दी महामुनिराज की प्रेरणा एवं मंगल आशीर्वाद से अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान के सहयोग तथा श्री मिथिलापुरी जी दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र के तत्वावधान में ''आचार्य विद्यानन्द जी सभागार'' का निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के संरक्षक पराग जैन (पटना), ई. भूपेंद्र जैन (दिल्ली), योगेश जैन (मेरठ) एवं पदम जैन बिलाला (जयपुर) ने बताया कि यह सभागार केवल एक भवन नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति, संस्कार, शिक्षा, प्रवचन, स्वाध्याय, व्यक्तित्व विकास एवं सामाजिक जागरण का सशक्त केंद्र होगा। विशेष रूप से इसे युवा पीढ़ी के आध्यात्मिक, नैतिक एवं चारित्रिक निर्माण के लिए प्रेरणादायी मंच के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभागार में धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन, प्रवचन, प्रशिक्षण शिविर, अध्ययन सत्र, युवा प्रेरणा कार्यक्रम तथा विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का नियमित आयोजन किया जाएगा, जिससे नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, जैन दर्शन एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम उपलब्ध होगा। तीर्थ क्षेत्र के प्रबंधक मनमोहन जैन एवं पंकज जैन ने बताया कि सभागार का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है और इसे शीघ्र पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि समाज जागरण की इस महत्वपूर्ण योजना को देशभर के समाजबंधुओं का उत्साहजनक सहयोग एवं समर्थन प्राप्त हो रहा है। उन्होंने समाज के सभी श्रद्धालुओं से इस पुण्य कार्य में सहभागी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि तीर्थ क्षेत्र आने वाले श्रद्धालु अथवा इस योजना में सहयोग एवं विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्ति श्री पराग जैन से मोबाइल नंबर 93040 90742 पर संपर्क कर सकते हैं।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल ने डॉक्टर्स डे एवं सीए डे पर किया चिकित्सकों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सम्मान, नए सत्र का हुआ शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा डॉक्टर्स डे एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह आयोजित कर नए सत्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा एवं वित्तीय क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएँ देने वाले 14 चिकित्सकों एवं 4 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का माल्यार्पण, स्मृति-चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मान किया गया। सम्मानित चिकित्सकों में डॉ. सहदेव आर्य (एम.डी. आयुर्वेद), डॉ. सिद्धार्थ भारद्वाज (नेत्र रोग विशेषज्ञ), डॉ. प्रियंका गुप्ता (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. आशीष मित्तल, डॉ. रवि खत्री (अस्थि एवं खेल चोट विशेषज्ञ), डॉ. मुकेश जैन (एमबीबीएस, एमडी, परामर्शदाता फिजिशियन), डॉ. जितेंद्र वर्मा (अस्थमा एवं एलर्जी विशेषज्ञ), डॉ. अमर मीणा (होम्योपैथी), डॉ. कुश कुमार भगत (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ. वत्सला शर्मा (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ), डॉ. योगेंद्र शर्मा (फिजिशियन), डॉ. सुरेश बोहरा (फिजिशियन) तथा डॉ. स्मिता गुप्ता (बीएचएमएस) शामिल रहे। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के रूप में राकेश सिंघल, महीप गोयल, नीतेश जैन एवं आरुष शर्मा का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में क्लब की संस्थापक लायन महादेवी आर्य, जोन चेयरपर्सन लायन रानी पाटनी, अध्यक्ष लायन राधारानी मित्तल, सचिव लायन सावित्री शर्मा, कोषाध्यक्ष लायन रश्मि भार्गव सहित मंजू पुरी, सरोज रूंगटा, नीता गोयल एवं क्लब की अन्य सदस्याएँ उपस्थित रहीं। समारोह के दौरान सभी सम्मानित अतिथियों को माल्यार्पण कर स्मृति-चिन्ह एवं उपहार भेंट किए गए। क्लब पदाधिकारियों ने चिकित्सा एवं वित्तीय सेवाओं से जुड़े सभी विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके योगदान की सराहना की तथा नए सत्र में समाजसेवा के विविध कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

सीडीएलयू की टॉप-10 मेरिट सूची में सीआरडीएवी गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने लहराया परचम

रमेश भार्गव.शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। सीआरडीएवी गर्ल्स कॉलेज की मेधावी छात्राओं ने एक बार फिर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करते हुए कॉलेज का नाम रोशन किया है। चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय (सीडीएलयू) द्वारा घोषित बी.एससी. परीक्षा परिणामों में कॉलेज की दो छात्राओं ने विश्वविद्यालय की टॉप-10 मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। बी.एससी. नॉन-मेडिकल छठे सेमेस्टर की छात्रा रमन, पुत्री श्री रोहताश, ने लगातार प्रत्येक सेमेस्टर में विश्वविद्यालय की टॉप-10 मेरिट सूची में अपना स्थान बनाए रखते हुए इस बार द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बी.एससी. मेडिकल छठे सेमेस्टर की छात्रा प्रभजोत, पुत्री श्री कुलवंत सिंह, ने विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में नवां स्थान प्राप्त कर कॉलेज का गौरव बढ़ाया। इस शानदार उपलब्धि पर सीडीएलयू की डीन, इंटरनेशनल रिलेशंस एंड फॉरेन अफेयर्स, डॉ. अनु शुक्ला ने दोनों छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर सीआरडीएवी गर्ल्स कॉलेज के चेयरमैन श्री ईश कुमार मेहता, प्रबंध निदेशक श्री जगदीश मेहता, प्रबंधन समिति सदस्य डॉ. करुण मेहता एवं श्रीमती डॉली मेहता, सीआरडीएवी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्राचार्य डॉ. रणजीत सिंह तथा सीआरडीएवी स्कूल के प्राचार्य श्री कमल मेहता ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे संस्थान के लिए गौरव का विषय है तथा अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। कार्यक्रम के दौरान बी.एससी. मेडिकल एवं नॉन-मेडिकल विभाग के प्राध्यापक दीपशिखा सरदाना, इंदु कामरा, देवज्योत, शैफी सरदाना, जैस्मीन, रितु, कवलजीत कौर, प्रभजोत कौर, अर्जुन सिंह तथा अनंत कथूरिया सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। छात्राओं की सफलता की खुशी में मिठाइयाँ वितरित की गईं तथा सभी विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया। छात्राओं की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से सीआरडीएवी गर्ल्स कॉलेज ने एक बार फिर सीडीएलयू की मेरिट सूची में अपना परचम लहराते हुए शैक्षणिक उत्कृष्टता की परंपरा को कायम रखा।

ग्राम सेवा सहकारी समिति फागलवा की वार्षिक साधारण सभा आयोजित

फागलवा. शाबाश इंडिया

ग्राम सेवा सहकारी समिति फागलवा की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन समिति परिसर में किया गया। बैठक में आगामी वर्ष की कार्ययोजना, किसानों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा पर्यावरण संरक्षण सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभा में आगामी वर्षा ऋतु के दौरान सहकारी समिति परिसर में अधिकाधिक पौधारोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। साथ ही पात्र किसानों को अधिक से अधिक ऋण वितरण सुनिश्चित करने तथा समिति परिसर में खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। सदस्यों ने किसानों को समय पर आवश्यक कृषि सामग्री उपलब्ध कराने और सहकारी सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव भी दिए। इस अवसर पर समिति के व्यवस्थापक दीपक जांगिड़, अध्यक्ष ईश्वर सिंह, हनुमान सिंह, समिति सदस्य सुभाष थालोड़, अशोक भाखर, सुरेंद्र भाखर, अर्जुन मंडीवाल एवं सत्यनारायण मिश्रा सहित ग्रामवासी हरफूल भाखर, उजीर मनियार, तिलोक भाखर, अर्जुन गोस्वामी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। बैठक के अंत में समिति पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों से सहकारिता की भावना को मजबूत करने, अधिक से अधिक किसानों को समिति से जोड़ने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

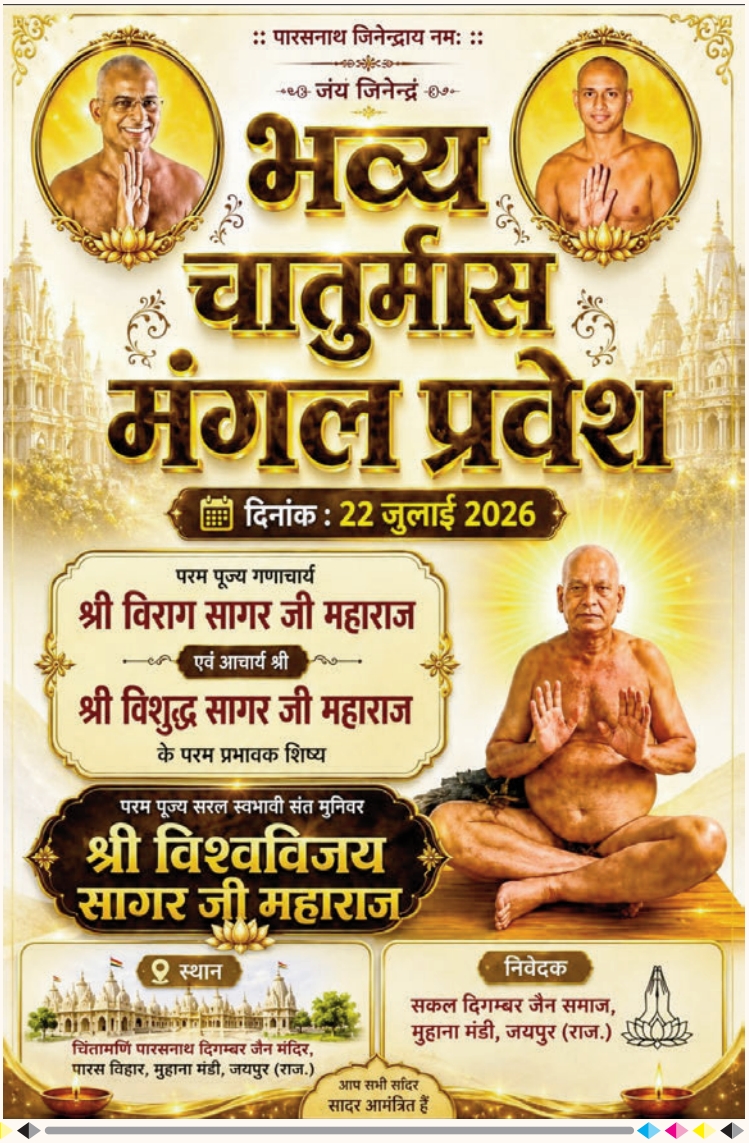

राजनीति

अकेले क्यों थकें

दिलीप कुमार पाठक

कल्पना कीजिए कि किसी भारी वस्तु को हाथ की केवल एक उंगली से उठाने का प्रयास किया जाए। यह लगभग असंभव होगा, लेकिन वही काम पांचों उंगलियां मिलकर मुट्ठी बनाएं तो आसानी से हो सकता है। यही सहकारिता का मूल संदेश है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर ''मैं'', ''मेरा'' और ''मुझे'' तक सीमित हो जाते हैं, जबकि जीवन की वास्तविक शक्ति मिलकर आगे बढ़ने में है। जुलाई के पहले शनिवार को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस हमें इसी भावना की याद दिलाता है कि सामूहिक प्रयास से ही समाज का समग्र विकास संभव है। ''सहकारिता'' शब्द भले ही औपचारिक लगे, लेकिन इसका अर्थ अत्यंत सरल है–एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ना। समाज में हर व्यक्ति के पास न तो पर्याप्त पूंजी होती है और न ही बड़े संसाधन। किसी के पास हुनर है, किसी के पास भूमि, तो किसी के पास अनुभव। जब ऐसे लोग अपनी छोटी-छोटी पूंजी, क्षमता और श्रम को एक मंच पर लाते हैं, तब सहकारी संस्था का जन्म होता है। यहां कोई मालिक या कर्मचारी नहीं, बल्कि सभी समान भागीदार होते हैं। निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते हैं और लाभ भी सभी के बीच न्यायसंगत तरीके से बांटा जाता है। भारत में सहकारिता आंदोलन की अनेक प्रेरक सफलताएं देखने को मिलती हैं। इसका सबसे सशक्त उदाहरण अमूल है। गुजरात के किसानों ने बिचौलियों के शोषण से मुक्ति पाने के लिए मिलकर जो छोटा-सा प्रयास शुरू किया था, वह आज विश्व के सबसे सफल डेयरी ब्रांडों में शामिल है। इसी प्रकार केवल सात महिलाओं द्वारा शुरू किया गया लिज्जत पापड़ आज हजारों महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार और आत्मनिर्भरता का माध्यम बन चुका है। ये उदाहरण बताते हैं कि जब साधारण लोग एकजुट होकर कार्य करते हैं, तो असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में जहां अनेक संस्थाएं केवल अधिक लाभ कमाने की होड़ में लगी हैं, वहीं सहकारिता का मॉडल सामाजिक उत्तरदायित्व को भी समान महत्व देता है। इसका उद्देश्य केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि सामाजिक समानता, सामुदायिक विकास और पर्यावरण संरक्षण भी है। यहां हर सदस्य का मत समान महत्व रखता है, चाहे वह आर्थिक रूप से कितना भी सक्षम या कमजोर क्यों न हो। यही कारण है कि सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को

संपादकीय

भारत–जापान रणनीतिक साझेदारी का नया अध्याय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के बीच आयोजित 16वें वार्षिक शिखर सम्मेलन ने भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाई प्रदान की है। दोनों देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा, आर्थिक सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और उन्नत प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौतों पर सहमति व्यक्त की। यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिरता, सुरक्षा और समृद्धि के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। 2027 में दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के अवसर से पहले यह शिखर सम्मेलन भविष्य की दिशा तय करने वाला साबित हुआ है। भारत और जापान के संबंधों की नींव सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत पर आधारित है। बौद्ध धर्म के प्रसार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा स्वतंत्रता संग्राम के दौरान नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज से जुड़े ऐतिहासिक संबंधों ने दोनों देशों को भावनात्मक रूप से जोड़ा। स्वतंत्रता के बाद जापान भारत का सबसे विश्वसनीय विकास साझेदार बनकर उभरा। 1958 से अब तक जापान भारत को आधिकारिक विकास सहायता के रूप में 52.7 बिलियन डॉलर से अधिक की सहायता प्रदान कर चुका है। दिल्ली मेट्रो, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना और पूर्वोत्तर भारत के बुनियादी ढांचा विकास में जापान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वर्ष 2025-26 में द्विपक्षीय व्यापार 27.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि जापानी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का संचयी मूल्य 44.97 बिलियन डॉलर हो चुका है। दोनों देशों ने अगले दशक में 10 ट्रिलियन जापानी येन, अर्थात लगभग 67 बिलियन डॉलर, के निजी निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया है। हालिया शिखर सम्मेलन में आर्थिक सुरक्षा पर संयुक्त रोडमैप अपनाया गया। इसमें सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों और मजबूत आपूर्ति तंत्र के विकास पर विशेष जोर दिया गया। जापान की उन्नत विनिर्माण क्षमता और भारत की डिजिटल विशेषज्ञता तथा सॉफ्टवेयर कौशल का समन्वय कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा करेगा। दोनों देशों ने संयुक्त एआई सहयोग पहल की शुरूआत की है, जिसके अंतर्गत लार्ज लैंग्वेज मॉडल, डेटा सेंटर, अनुसंधान और स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाएगा। रक्षा क्षेत्र में भी पहली संयुक्त सह-विकास परियोजना 'यूनिकॉर्न' नेवल रेडियो एंटीना सिस्टम शुरू किया गया है, जिससे समुद्री सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी। रक्षा और सामरिक सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद, जिमेक्स, धर्म गार्जियन और मालाबार जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास दोनों देशों के बीच विश्वास को और गहरा कर रहे हैं। एसीएसए समझौते के माध्यम से सैन्य लॉजिस्टिक्स सहयोग भी आसान हुआ है। क्वाड के मंच पर भारत और जापान, अमेरिका तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर मुक्त और खुले इंडो-पैसिफिक, समुद्री सुरक्षा तथा नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के पक्षधर बने हुए हैं।

–राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता

कांतिलाल मांडोत

अमरनाथ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का सबसे बड़ा पर्व है। प्रतिवर्ष देशभर से लाखों श्रद्धालु कठिन पर्वतीय मार्ग पार कर बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। यह यात्रा धार्मिक महत्व के साथ राष्ट्रीय दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील मानी जाती है, क्योंकि इसका आयोजन जम्मू-कश्मीर जैसे रणनीतिक क्षेत्र में होता है। इसलिए प्रशासन, सेना, अर्धसैनिक बल, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां कई महीने पहले से व्यापक तैयारियां शुरू कर देती हैं। इस वर्ष भी श्रद्धालुओं में उत्साह चरम पर है। ऐसे में सबसे बड़ी जिम्मेदारी यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और निर्बाध रूप से संपन्न कराना है। पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पर्यटन गतिविधियां बढ़ी हैं और सामान्य जनजीवन भी तेजी से पटरी पर लौटा है। फिर भी सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता कभी कम नहीं होनी चाहिए। लंबे समय तक शांति रहने के बाद भी सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की ढील गंभीर चुनौती बन सकती है। इसलिए यात्रा अवधि के दौरान चौबीसों घंटे निगरानी और सक्रियता अनिवार्य है। यात्रा के दोनों प्रमुख मार्गों पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सबसे पहली आवश्यकता है। सेना, अर्धसैनिक बल, जम्मू-कश्मीर पुलिस और खुफिया एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय किसी भी संभावित खतरे से निपटने की आधारशिला है। संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार गश्त, निगरानी और आधुनिक तकनीक का उपयोग संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान करने में सहायक सिद्ध होता है। खुफिया तंत्र यात्रा सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। विभिन्न एजेंसियों के बीच सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान और उनका प्रभावी विश्लेषण किसी भी बड़ी घटना को टाल सकता है। स्थानीय प्रशासन, सुरक्षा बलों और खुफिया इकाइयों के बीच निरंतर संपर्क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाता है। आधुनिक तकनीक ने सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती दी है। ड्रोन, सीसीटीवी कैमरे, उच्च गुणवत्ता वाले निगरानी उपकरण, संचार नेटवर्क और नियंत्रण कक्षों के माध्यम से पूरे यात्रा मार्ग पर लगातार नजर रखी जा सकती है। आरएफआईडी जैसी तकनीक यात्रियों के प्रबंधन को व्यवस्थित बनाती है तथा आवश्यकता पड़ने पर उनकी जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराने में सहायक होती है। इससे सुरक्षा के साथ-साथ आपदा प्रबंधन भी अधिक प्रभावी बनता है। सुरक्षा व्यवस्था केवल यात्रा मार्ग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जम्मू, श्रीनगर, बालटाल, पहलगाम और अन्य ट्रांजिट शिविरों में भी समान स्तर की सुरक्षा तथा प्रभावी भीड़ प्रबंधन आवश्यक है। प्रवेश और निकास व्यवस्था सुव्यवस्थित होने से किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। दुर्गम क्षेत्रों में नियमित गश्त, तलाशी अभियान तथा मौसम के अनुरूप पर्याप्त संसाधनों की उपलब्धता भी अत्यंत आवश्यक है। किसी भी आपदा या आपात स्थिति के लिए पूर्व निर्धारित कार्ययोजना, त्वरित संचार प्रणाली, चिकित्सा सुविधाएं और राहत दल हर समय तैयार रहने चाहिए। मौसम परिवर्तन अथवा प्राकृतिक आपदा की स्थिति में श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित होना अनिवार्य है। स्थानीय नागरिकों का सहयोग भी यात्रा की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है।

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर, जयपुर ने लगाया ''खुशियों का बाजार'', जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाई उपयोगी सामग्री

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर, जयपुर द्वारा महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के सहयोग से संघी जी की नसिया, आगरा रोड, जयपुर में सेवा, संवेदना एवं पुनः उपयोग की भावना को समर्पित ''खुशियों का बाजार'' अभियान का सफल आयोजन किया गया। ग्रेटर के सचिव वीर धनु कुमार जैन ने बताया कि इस सेवा गतिविधि के माध्यम से उपयोग योग्य वस्त्र एवं अन्य आवश्यक सामग्री सम्मानपूर्वक जरूरतमंद परिवारों तक पहुँचाई गई। अभियान को समाज का भरपूर सहयोग मिला, जिससे यह आयोजन अत्यंत सफल रहा। ग्रेटर के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि क्लब की वीरा बहनों ने अपने घरों से उपयोग योग्य कपड़े, जींस, सलवार-कुर्ती, गाउन, पैंट, शर्ट, बच्चों के वस्त्र, खिलौने तथा अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराकर इस सेवा अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान समाज में सेवा, सहयोग और पुनः उपयोग की भावना को मजबूत करते हैं। ग्रेटर के कोषाध्यक्ष सीए वीर कुमार जैन ने बताया कि कार्यक्रम में सचिव वीर धनु कुमार जैन, कोषाध्यक्ष सीए वीर कुमार जैन, संयुक्त सचिव वीर सुनील बज, वीर परेश पाटनी, वीरा इंदु जैन, वीरा वीणा जैन सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई और ''खुशियों का बाजार'' के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में संघी जी की नसिया के अध्यक्ष डॉ. विनोद शाह एवं मंत्री नवीन जैन बिलटीवाला का विशेष सहयोग एवं समर्पण सराहनीय रहा। इस अवसर पर जोन चेयरपर्सन वीरा सारिका अग्रवाल तथा अतुल्य युगल के अध्यक्ष राकेश अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहकर सभी वीर भाइयों एवं वीरा बहनों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में संयुक्त सचिव वीर सुनील बज ने सभी सहयोगकर्ताओं, संघी जी की नसिया प्रबंध समिति, महावीर इंटरनेशनल अपेक्स, जयपुर जोन तथा विभिन्न केंद्रों से पधारे सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने समाज के अधिक से अधिक लोगों से ऐसे पुनीत सेवा कार्यों से जुड़कर जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया।

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए ‘मेरा काम, मेरी पहचान’ प्रदर्शनी का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुनि संघ वैयावृत महिला समूह, महारानी फार्म के तत्वावधान में श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में महिला उद्यमिता एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित ‘‘मेरा काम, मेरी पहचान’’ प्रदर्शनी का शुभारंभ 3 जुलाई को प्रातः 9:30 बजे हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन समाजश्रेष्ठी अनिलझअमिता गोधा परिवार ने फीता काटकर किया, जबकि मुख्य अतिथि जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का विधिवत शुभारंभ किया। महिला सशक्तिकरण को समर्पित इस प्रदर्शनी में लगभग 40 से 45 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें महिलाओं द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प, घरेलू उत्पाद, परिधान तथा अन्य उपयोगी वस्तुओं का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। प्रदर्शनी का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें अपने हुनर को पहचान दिलाने के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम की मुख्य संयोजिकाएँ प्रमिला शाह, संगीता छाबड़ा एवं लता सोगानी ने बताया कि महिला समूह से लगभग 800 महिलाएँ जुड़ी हुई हैं, जो सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण शाह, आलोक शाह तथा समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आयोजन को सफल बनाने में विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल, ऋद्धि-सिद्धि मंडल अध्यक्ष दीपा नाथावत तथा जिला सह संयोजक (आईटी) अंशु गर्ग विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। महिला समूह की पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों एवं मंदिर प्रबंध समिति के पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि प्रदर्शनी को महिलाओं का उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर महिला उद्यमिता, आत्मनिर्भरता और सामाजिक सहभागिता को नई दिशा देने का प्रयास किया। आयोजन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का संदेश प्रभावी रूप से समाज तक पहुँचा। इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा एवं एकता अग्रवाल ने कहा कि जो महिलाएँ अपने हुनर और व्यवसाय के माध्यम से स्वयं की पहचान बना रही हैं, उनके लिए इस प्रकार की प्रदर्शनी अत्यंत प्रेरणादायी एवं सराहनीय पहल है। उन्होंने महिला समूह द्वारा आयोजित ‘‘मेरा काम, मेरी पहचान’’ प्रदर्शनी की प्रशंसा करते हुए सभी पदाधिकारियों को बधाई एवं साधुवाद दिया। कार्यक्रम में मंदिर प्रबंध समिति के पूर्व अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा, वरिष्ठ अधिवक्ता विमल कुमार जैन, सकुन एडवर्टाइज के डी.के. जैन सहित समाज के सैकड़ों महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे। महिला समूह की संयोजिका प्रमिला शाह ने बताया कि यह प्रदर्शनी 4 जुलाई को रात्रि 8 बजे तक आमजन के लिए खुली रहेगी।

प्रेषक : उदयभान जैन, जयपुर

कैमरे के पीछे की रियल कहानी : प्रख्यात फिल्म निर्माता-निर्देशक के. सी. बोकाड़िया ने छात्राओं से साझा किए सफलता के अनुभव

श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में हुआ भव्य स्वागत

ब्यावर. शाबाश इंडिया

श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में प्रख्यात फिल्म निमार्ता एवं निर्देशक के. सी. बोकाड़िया के सम्मान में प्रेरणादायी एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को भारतीय फिल्म उद्योग के इस अनुभवी व्यक्तित्व से सीधे संवाद का दुर्लभ अवसर मिला, जहाँ उन्होंने फिल्म निर्माण से लेकर जीवन में सफलता तक के विभिन्न पहलुओं पर अपने अनुभव साझा किए। महाविद्यालय परिसर में आगमन पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेंद्र पारख एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने के. सी. बोकाड़िया का पारंपरिक राजस्थानी साफा पहनाकर, माल्यार्पण, उपरना ओढ़ाकर तथा स्मृति-चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर इम्फाल (मणिपुर) की प्रख्यात समाजसेविका श्रीमती आरती जैन का भी माल्यार्पण, उपरना एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. नरेंद्र पारख ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों के सफल एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्वों के अनुभवों से जोड़ना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि के. सी. बोकाड़िया जैसे प्रतिष्ठित फिल्मकार का महाविद्यालय आगमन छात्राओं के लिए प्रेरणा, सीख और आत्मविश्वास प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि ऐसे संवादात्मक कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता तथा करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अतिथियों के अनुभव छात्राओं को जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने की प्रेरणा देंगे। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक एवं प्रेरक चरण संवाद सत्र रहा। छात्राओं ने फिल्म निर्माण, निर्देशन, अभिनय, पटकथा लेखन, मनोरंजन उद्योग में करियर, नई प्रतिभाओं के अवसर, सफलता के मूल मंत्र तथा फिल्म जगत की चुनौतियों से जुड़े अनेक जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे। अपने दशकों लंबे फिल्मी अनुभव साझा करते हुए के. सी. बोकाड़िया ने कहा, ‘‘सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता।’’ उन्होंने छात्राओं से कहा कि मेहनत, अनुशासन, सकारात्मक सोच, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति तथा अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। उन्होंने बताया कि कैमरे के पीछे की सफलता भी उतनी ही कठिन मेहनत, धैर्य और समर्पण का परिणाम होती है, जितनी कैमरे के सामने दिखाई देने वाली उपलब्धियाँ। उनके प्रेरक विचारों एवं सहज व्यक्तित्व ने छात्राओं को विशेष रूप से प्रभावित किया।

आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज

के सान्निध्य में शांतिनाथ जिनालय में

धर्मप्रभावना का भव्य आयोजन

जिनवाणी, पाद-प्रक्षालन एवं आशीर्वाद से गूंजा मंदिर परिसर

जयपुर। प्रताप नगर सेक्टर-8 स्थित श्री शांतिनाथ जिनालय में आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी महामुनिराज के सान्निध्य में धर्मप्रभावना के विविध कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न हो रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन धर्मसभा में उपस्थित होकर जिनवाणी का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर देव-शास्त्र-गुरु के परम भक्त श्री अनिल कुमार जैन पांडया (बनेठा वाले) के 65वें जन्मदिवस के अवसर पर उनके परिवार के साथ आचार्य श्री के श्रीचरणों में श्रीफल अंर्पित कर जल, दूध, केसर एवं अन्य सुगंधित द्रव्यों से पाद-प्रक्षालन किया गया तथा मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

श्री अनिल कुमार जैन पांडया (बनेठा वाले) के 65वें जन्मदिवस पर पाद-प्रक्षालन

चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन

आचार्य श्री उद्बोधन

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज ने भोजन की शुद्धता और मन की पवित्रता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आचार्य भगवन कुंदकुंद स्वामी के अनुसार मनुष्य को सदैव प्रसन्न एवं शांत मन से भोजन करना चाहिए। क्रोध, तनाव, याचना, संक्लेश, रूप्टता अथवा कलुषित भावों के साथ किया गया भोजन मानसिक अशांति एवं पारिवारिक तनाव का कारण बनता है।

उन्होंने कहा कि प्रसन्नचित्त होकर किया गया भोजन शरीर में ऊर्जा, ओज एवं आनंद का संचार करता है। अन्न का सम्मान करना, भोजन की बर्बादी से बचना तथा जूठन न छोड़ना भारतीय संस्कृति के महत्वपूर्ण संस्कार हैं। इनका पालन करने से परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का वातावरण बना रहता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ जीतू जैन निमोडिया द्वारा मंगलाचरण से हुआ तथा मंच संचालन भी उन्होंने ही किया।

इस अवसर पर उपस्थित रहे

मंदिर समिति के अध्यक्ष धर्मचंद जैन पराना, मंत्री महेश सेठी, अनिल कुमार पांडया, चेतन निमोड़िया, चंद्रप्रकाश आवां वाले, जीतू जैन गंगवाल, पारस बाकलीवाल, पूर्ण गंगवाल (चूरू), अतुल मंगल, पिंटू जैन (पारली), नितिन पंड्या, बाबूलाल इंटूदा, प्रकाश गंगवाल सहित सकल जैन समाज के अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज ने भरी धर्म सभा में श्रद्धालुओं को भोजन के उपर प्रकाश डालते हुए कहा कि आचार्य भगवन कुंदकुंद स्वामी महाराज ने बताया था कि मनुष्य को क्रोध रहित परिणाम से भोजन करना चाहिए, मनुष्य को क्रोध, याचना, संकलेश, तनाव में, गुस्से में, रुठे हुए मन से, कलुषित मन से, भोजन नहीं करना चाहिए...

डे केयर और उसका स्वरूप

पहले संयुक्त परिवारों में जब माता-पिता काम पर जाते थे, तब दादा-दादी, नाना-नानी या परिवार के अन्य सदस्य बच्चों की देखभाल कर लेते थे। आज शहरीकरण, एकल परिवार, बढ़ती महँगाई और करियर की दौड़ ने इस व्यवस्था को बदल दिया है। अब लाखों माता-पिता अपने छोटे बच्चों को डे केयर सेंटर में छोड़कर काम पर जाते हैं। ऐसे में एक बड़ा प्रश्न हमारे सामने खड़ा होता है—क्या डे केयर बच्चों के भविष्य का आधार बन रहे हैं, या बचपन के सबसे अनमोल वर्षों को परिवार से दूर कर रहे हैं? डे केयर केवल एक सुविधा नहीं है, बल्कि यह आधुनिक समाज की बदलती जीवनशैली का प्रतीक बन चुका है। यह विषय केवल बच्चों की देखभाल का नहीं, बल्कि उनके भावनात्मक, मानसिक, सामाजिक और नैतिक विकास से भी जुड़ा हुआ है।

डे केयर की बढ़ती आवश्यकता

आज अधिकांश परिवारों में पति-पत्नी दोनों नौकरी करते हैं। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक जीवन-यापन का खर्च लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में केवल एक व्यक्ति की आय से परिवार चलाना कठिन होता जा रहा है। दूसरी ओर, संयुक्त परिवारों का स्थान एकल परिवारों ने ले लिया है। परिणामस्वरूप छोटे बच्चों की देखभाल के लिए डे केयर एक व्यावहारिक विकल्प बन गया है। कई माता-पिता के लिए यह कोई पसंद नहीं, बल्कि मजबूरी होती है। वे अपने बच्चों से प्रेम करते हैं, लेकिन रोजगार और जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने के लिए उन्हें यह निर्णय लेना पड़ता है।

क्या डे केयर बच्चों के लिए लाभदायक हैं?

यदि डे केयर गुणवत्तापूर्ण हो, प्रशिक्षित स्टाफ हो और बच्चों के विकास पर ध्यान दिया जाए, तो इसके कई सकारात्मक पहलू भी हैं। सबसे पहले, बच्चे कम उम्र में ही दूसरे बच्चों के साथ रहना सीखते हैं। उनमें साझा करना, सहयोग करना और समूह में काम करना जैसी सामाजिक क्षमताएँ विकसित होती हैं। दूसरे, अच्छे डे केयर बच्चों की भाषा, रचनात्मकता और सीखने की क्षमता को खेल-खेल में विकसित करते हैं। रंग, चित्र, कहानियाँ, गीत और गतिविधियाँ उनके बौद्धिक विकास में सहायक होती हैं। तीसरे, नियमित दिनचर्या बच्चों में अनुशासन और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करती है लेकिन क्या सब कुछ इतना आसान है? यहीं से चिंता शुरू होती है। एक छोटे बच्चे के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता केवल भोजन या खिलौने नहीं होते, बल्कि माता-पिता का स्नेह, स्पर्श और भावनात्मक सुरक्षा होती है। जब कोई बच्चा प्रतिदिन कई घंटे अपने माता-पिता से दूर रहता है, तो कभी-कभी उसके भीतर भावनात्मक दूरी विकसित होने लगती है। वह अपनी छोटी-छोटी

खुशियाँ, डर और जिज्ञासाएँ माता-पिता के बजाय दूसरों के साथ साझा करने लगता है। यदि डे केयर में पर्याप्त देखभाल न हो, स्टाफ बार-बार बदलता रहे या बच्चों के प्रति संवेदनशीलता की कमी हो, तो इसका प्रभाव बच्चे के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व पर भी पड़ सकता है।

बचपन केवल देखभाल नहीं, भावनात्मक निवेश भी है

बच्चे खिलौनों से कम और रिश्तों से अधिक सीखते हैं। वे माता-पिता के चेहरे के भाव पढ़ते हैं, उनके व्यवहार की नकल करते हैं, उनके साथ बैठकर भाषा सीखते हैं और उनके स्नेह से आत्मविश्वास प्राप्त करते हैं। यदि माता-पिता सुबह जल्दी चले जाएँ और रात को थके हुए लौटें, तो बच्चा धीरे-धीरे उनके साथ बिताए जाने वाले समय से वंचित होने लगता है। यही कारण है कि कई मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि बच्चों के साथ बिताया गया गुणवत्तापूर्ण समय किसी भी महँगे खिलौने या सुविधा से अधिक मूल्यवान होता है।

क्या डे केयर माता-पिता की भूमिका निभा सकते हैं?

उत्तर है—नहीं।
डे केयर बच्चों की देखभाल कर सकते हैं, उन्हें सुरक्षित वातावरण दे सकते हैं, शिक्षा की प्रारंभिक नींव रख सकते हैं, लेकिन वे माता-पिता का स्थान नहीं ले सकते। माँ की गोद, पिता का विश्वास, परिवार का अपनापन और घर का भावनात्मक वातावरण किसी संस्था द्वारा पूरी तरह उपलब्ध नहीं कराया जा सकता।

सबसे बड़ी चुनौती—समय की कमी

आज कई माता-पिता बच्चों के लिए महँगे स्कूल, अच्छे डे केयर और आधुनिक सुविधाएँ तो उपलब्ध करा रहे हैं, लेकिन उनके पास बच्चों के लिए समय नहीं है। बच्चों को सबसे अधिक आवश्यकता महँगे उपहारों की नहीं, बल्कि यह महसूस कराने की होती है कि उनके माता-पिता उनके जीवन में उपस्थित हैं। रोज आधा घंटा कहानी सुनाना, साथ बैठकर भोजन करना, पार्क में टहलना या बिना मोबाइल के उनसे बातें करना उनके व्यक्तित्व पर गहरा सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

अच्छे डे केयर की पहचान

यदि डे केयर का चयन करना आवश्यक हो, तो केवल भवन देखकर निर्णय नहीं लेना चाहिए।

ध्यान देना चाहिए कि

* वहाँ प्रशिक्षित और संवेदनशील स्टाफ हो।
* बच्चों की सुरक्षा के उचित प्रबंध हों।
* स्वच्छता और पोषण का विशेष ध्यान रखा जाता हो।
* बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डाला जाता हो।
* माता-पिता से नियमित संवाद होता हो।
* बच्चों के भावनात्मक विकास को भी उतना ही महत्व दिया जाता हो जितना शैक्षणिक गतिविधियों को।

समाज की भी जिम्मेदारी

यह केवल परिवारों का विषय नहीं है। कार्यालयों में परिवार-अनुकूल नीतियाँ, मातृत्व और पितृत्व अवकाश, लचीले कार्य घंटे, वर्क फ्रॉम होम की सुविधाएँ और कार्यस्थल पर क्रेच जैसी व्यवस्थाएँ बच्चों के भविष्य को बेहतर बना सकती हैं। यदि समाज वास्तव में आने वाली पीढ़ी को मजबूत बनाना चाहता है, तो उसे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि बचपन की सुरक्षा पर भी निवेश करना होगा। डे केयर आधुनिक जीवन की एक आवश्यकता बन चुके हैं, लेकिन उन्हें बचपन का विकल्प नहीं बनने देना चाहिए। बच्चे केवल सुरक्षित हाथों में नहीं, बल्कि स्नेहिल रिश्तों में भी पलते हैं। उनके व्यक्तित्व की सबसे मजबूत नींव माता-पिता के प्रेम, परिवार के संस्कार और साथ बिताए गए समय से बनती है। एक सफल समाज वही होगा जहाँ माता-पिता अपने बच्चों के लिए केवल बेहतर भविष्य कमाने की नहीं, बल्कि उनके वर्तमान को भी प्रेम, संवाद और अपनत्व से भरने की कोशिश करेंगे। क्योंकि बचपन लौटकर नहीं आता, और इसी बचपन में भविष्य का सबसे मजबूत चरित्र गढ़ा जाता है। डे केयर बच्चों की देखभाल कर सकते हैं, लेकिन उनका भविष्य केवल इमारतों में नहीं, बल्कि परिवार के स्नेह, विश्वास और संस्कारों में आकार लेता है।

मुकेश कुमार बिस्साः जैसलमेर

लायंस क्लब अजमेर आस्था ने कराया मरीज का निःशुल्क डायलिसिस

अजमेर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब अजमेर आस्था ने अपनी सेवा गतिविधियों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए किडनी रोग से पीड़ित प्रतीक सिंह (36 वर्ष), निवासी वरुण सागर रोड, अजमेर का पारस यूरोलॉजी हॉस्पिटल में निःशुल्क डायलिसिस करवाया। क्लब अध्यक्ष लायन कमल बाफना ने बताया कि यह सेवा कार्य संभागीय अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट के नेतृत्व तथा समाजसेवी भामाशाह महेंद्र कोठारी के सहयोग से चिकित्सा सहायता परियोजना के अंतर्गत संपन्न हुआ। इस पहल के माध्यम से जरूरतमंद मरीज को समय पर उपचार उपलब्ध कराकर उसे बड़ी राहत प्रदान की गई। क्लब के जनसंपर्क अधिकारी लायन अतुल पाटनी ने बताया कि लायनिस्टिक सत्र 2026-27 में क्लब द्वारा कराया गया यह दूसरा निःशुल्क डायलिसिस है। उन्होंने कहा कि क्लब का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद मरीजों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना है। इसी उद्देश्य के साथ भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे। उन्होंने बताया कि लायंस क्लब अजमेर आस्था समाजसेवा, स्वास्थ्य सहायता एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न प्रकल्पों के

माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुँचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन कमल बाफना, संभागीय अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट सहित क्लब के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

नमोकार किट्टी ग्रुप की महिलाओं ने प्राचीन जैन मंदिरों की तीर्थयात्रा की

जयपुर. शाबाश इंडिया। नमोकार किट्टी ग्रुप, जयपुर की सदस्याओं ने धार्मिक आस्था एवं आध्यात्मिक भावना के साथ प्राचीन जैन मंदिरों की तीर्थयात्रा कर दर्शन-पूजन किया तथा पुण्यार्जन किया। यात्रा का शुभारंभ दुर्गापुरा जैन मंदिर में भगवान के दर्शन एवं पूजन से हुआ। इसके पश्चात समूह की सदस्याओं ने गुन्सी, निवाई, पहाड़ी, रजवास, प्लावड़ी, हमीरपुर, अलियारी एवं मालपुरा स्थित प्राचीन जैन मंदिरों में दर्शन-पूजन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। यात्रा के समापन पर सभी सदस्याएँ जयपुर लौट आईं। इस धार्मिक यात्रा में श्रीमती हर्षजी मुन्नाजी सौगानी, श्रीमती संतोषजी चांदवाड़, डॉ. शांति जैन मणि, श्रीमती ललिता सौगानी, श्रीमती आशा पाटनी, श्रीमती लक्ष्मी भौंच, श्रीमती प्रेमलता एवं श्रीमती भंवरी देवी गोधा सहित अन्य सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के अंत में श्रीमती मुन्नाजी गोधा ने सभी सदस्याओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की धार्मिक यात्राएँ आध्यात्मिक शांति, आपसी सौहार्द और धर्म के प्रति आस्था को और अधिक सुदृढ़ करती हैं।

मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह में 18 दिव्यांगजनों को लोअर एवं टी-शर्ट वितरित

अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन महासमिति, अजमेर संभाग एवं श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग, अजमेर के तत्वावधान में सामाजिक सरोकार की दिशा में एक सेवा कार्य करते हुए मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह, खोड़ा गणेशजी रोड, किशनगढ़ में निवासरत 18 मानसिक विमंदित दिव्यांगजनों को लोअर एवं टी-शर्ट वितरित किए गए। यह पुनर्वास गृह जागृति जन सेवा संस्थान, नागौर द्वारा संचालित है। सेवा कार्य समिति के संरक्षक राकेश पालीवाल, कमलेश पालीवाल एवं समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के सहयोग से सम्पन्न हुआ। श्री दिगम्बर जैन महासमिति, अजमेर संभाग के अध्यक्ष अतुल पाटनी ने बताया कि केंद्र में ऐसे 18 मानसिक विमंदित दिव्यांगजन निवास कर रहे हैं, जिनका कोई परिजन नहीं है और जो स्वयं अपना जीवनयापन करने में सक्षम नहीं हैं। केंद्र की अध्यक्षा प्रेम कुमारी एवं संचालिका रेखा जादम ने बताया कि संस्था ऐसे निराश्रित एवं विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों के पुनर्वास, देखभाल एवं पालन-पोषण का कार्य कर रही है। समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने कहा कि ऐसे जरूरतमंद एवं विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों की सेवा करना मानवता का सर्वोच्च धर्म है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी समिति की ओर से यथासंभव सहयोग एवं सेवा कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में जागृति जन सेवा संस्थान, नागौर के प्रतिनिधि हितेश राईका ने सेवा सहयोगियों एवं समिति के पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से ही ऐसे सेवा कार्य निरंतर संचालित हो पा रहे हैं।

ट्रेंड्स बदलते रहेंगे, लेकिन इवेंट्स कभी खत्म नहीं होंगे: मुकेश मिश्रा

IIEMR के ओरिएंटेशन कार्यक्रम में छात्रों को बताया इवेंट इंडस्ट्री का भविष्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैशाली नगर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट एंड रिसर्च में नए शैक्षणिक सत्र के प्रथम बैच के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें इवेंट इंडस्ट्री की बदलती आवश्यकताओं, करियर की संभावनाओं तथा संस्थान की इंडस्ट्री-ओरिएंटेड शिक्षा प्रणाली से परिचित कराया गया। IIEMR के मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा, ट्रेंड्स बदलते रहेंगे, लेकिन इवेंट्स कभी खत्म नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई तकनीकें इवेंट इंडस्ट्री के काम करने के तरीके को बदल सकती हैं, लेकिन लोगों को जोड़ने, यादगार अनुभव देने और भावनात्मक जुड़ाव बनाने वाले आयोजनों की आवश्यकता हमेशा बनी रहेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे केवल तकनीक नहीं, बल्कि क्रिएटिविटी, लीडरशिप, कम्युनिकेशन और एक्सपीरियंस डिजाइन जैसी स्किल्स पर भी समान रूप से ध्यान दें। IIEMR की चेयरपर्सन प्रिया मिश्रा ने संस्थान की इंडस्ट्री-इंटीग्रेटेड शिक्षा प्रणाली, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट अवसरों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में एसके फाइनेंस के हेडः मार्केटिंग अंशुल जैन, फेडरेशन ऑफ राजस्थान इवेंट मैनेजर्स के पूर्व अध्यक्ष हरप्रीत बग्गा, डॉ. प्रमिला संजय तथा प्रसिद्ध आरजे जिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इवेंट इंडस्ट्री में सफलता के लिए रचनात्मक सोच, प्रभावी संवाद, टीमवर्क, समय प्रबंधन और सकारात्मक दृष्टिकोण सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने युवाओं से लगातार सीखने और बदलते समय के साथ स्वयं को अपडेट रखने का आह्वान किया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों का परिचय संस्थान की फैकल्टी, पाठ्यक्रम, लाइव इवेंट्स, इंडस्ट्री विजिट्स, इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट कार्यक्रमों से कराया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से संवाद कर इवेंट इंडस्ट्री से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त किए। उल्लेखनीय है कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट एंड रिसर्च पिछले दो दशकों से इवेंट मैनेजमेंट एवं एक्सपीरियंस इंडस्ट्री के लिए प्रोफेशनल्स तैयार कर रहा है और उसके विद्यार्थी देश के अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों, फैकल्टी सदस्यों एवं विद्यार्थियों के साथ नए शैक्षणिक सत्र की सफलता की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

जन्मदिन पर रक्तदान की मिसाल

लोकेश गोस्वामी के 32वें जन्मदिन पर 32 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

बूंदी. शाबाश इंडिया

मानव सेवा का अनूठा संदेश देते हुए रक्तकोष फाउंडेशन, बूंदी के जिला संयोजक लोकेश गोस्वामी ने अपने 32वें जन्मदिन पर किसी प्रकार का उत्सव मनाने के बजाय रक्तदान शिविर का आयोजन किया। लक्ष्मण रेखा ट्रस्ट एवं रक्तकोष फाउंडेशन, बूंदी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में 32 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर के सफल आयोजन में रक्तकोष फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष रामलक्ष्मण मीणा (नर्सिंग ऑफिसर), जिला उपाध्यक्ष स्वाती दाधीच, जिला प्रवक्ता रामलाल मीणा, जिला सचिव सीताराम मीणा, हिंडोली ब्लॉक अध्यक्ष लोकेश मीणा, बूंदी ब्लॉक अध्यक्ष शिवराज बैरागी, नैनवां ब्लॉक अध्यक्ष बलराम गुर्जर तथा भारत कार सर्विस सेंटर, बूंदी का विशेष सहयोग रहा।

मुख्य अतिथि ने की पहल की सराहना

रक्तदान शिविर के मुख्य अतिथि एवं ब्लड बैंक, बूंदी के प्रभारी नारायण सिंह हाड़ा ने लोकेश गोस्वामी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुए शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने और नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करने में रक्तकोष फाउंडेशन की पहल की सराहना की।

32 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

शिविर में लोकेश गोस्वामी, रीना आचार्य, पदमा दाधीच, कुंज बिहारी, कन्हैया, प्रह्लाद गुर्जर, हरिशंकर, लक्की सैनी, दीपेश सैनी, कन्हैयालाल, जगदीश, मुकेश गोस्वामी, लवलेश नामा, आसिफ खान, प्रकाश, रविंद्र मीणा, दुर्गेश कुमार, किशनलाल मीणा, जितेंद्र गोचर, मोहन सैनी, इमरान खान, बलराम गुर्जर, रामप्रकाश गुर्जर, खेमचंद मीणा, लोकेश कुशवाहा, लेखराज प्रजापत, शिवराज बैरागी, लोकेश मीणा, महावीर राठौड़, हंसराज बैरवा, जगवीर चौधरी एवं अंशुमान सिंह सहित कुल 32 रक्तवीरों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी योगदान दिया।

रक्तदान को बनाया जन्मदिन का उत्सव

लोकेश गोस्वामी ने कहा कि उन्होंने अपने जन्मदिन पर अनावश्यक खर्च करने के बजाय मानव सेवा को प्राथमिकता देते हुए रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि सभी सहयोगियों के प्रयास से 32 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होगा। रक्तकोष फाउंडेशन, बूंदी के जिलाध्यक्ष रामलक्ष्मण मीणा ने कहा कि संस्था समय-समय पर रक्तदान शिविरों के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रही है, ताकि किसी भी जरूरतमंद मरीज को रक्त के अभाव में परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने युवाओं से वर्ष में कम से कम 2 से 4 बार स्वैच्छिक रक्तदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है, जो किसी को नया जीवन देने का माध्यम बनता है।

जोबनेर चातुर्मास हेतु निवाई में श्रद्धापूर्वक श्रीफल भेंट

जोबनेर. शाबाश इंडिया। चारित्र चक्रवर्ती प्रथमाचार्य आचार्य श्री 108 शांतिसागर जी महाराज के तृतीय पट्टाचार्य आचार्य श्री 108 धर्मसागर जी महाराज से दीक्षित प्रशांतमूर्ति, आगम रक्षिता आर्यिका रत्न श्री 105 आदिमती माताजी ससंघ, परम पूज्य आर्यिका श्री 105 श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका श्री 105 सुबोधमति माताजी ससंघ के श्रीचरणों में जोबनेर चातुर्मास हेतु निवाई में श्रद्धापूर्वक श्रीफल भेंट किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूज्य आर्यिका संघ के श्रीचरणों में वंदना कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया तथा आगामी जोबनेर चातुर्मास की सफल, मंगलमय एवं धर्ममय सम्पन्नता की कामना की। धार्मिक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के अनेक श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई और चातुर्मास की तैयारियों को लेकर उत्साह व्यक्त किया। श्रद्धालुओं ने पूज्य आर्यिका संघ से समाज में धर्म, संस्कार एवं सदाचार की भावना निरंतर बढ़ती रहे, ऐसी मंगलकामना भी प्राप्त की।

डॉक्टर्स और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के सम्मान से हुई "फ्लाइट ऑफ ड्रीम" थीम की शानदार शुरूआत

लायंस क्लब उदयपुर मेवाड़ गौरव ने सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता को किया नमन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब उदयपुर मेवाड़ गौरव ने डिस्ट्रिक्ट 2026-27 की थीम **"Flight of Dream"** के अंतर्गत अपनी पहली सेवा गतिविधि का शुभारंभ समाज के दो महत्वपूर्ण स्तंभों–चिकित्सकों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स–के सम्मान के साथ किया। विगत दिनों आयोजित कार्यक्रम में डॉक्टर्स डे एवं सीए डे उत्साहपूर्वक मनाया गया, जिसमें 7 चिकित्सकों एवं 11 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का स्मृति चिन्ह एवं ऊपरना ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के स्वास्थ्य और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इन दोनों वर्गों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना था। इस दौरान क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि सेवा, समर्पण, ईमानदारी और उत्कृष्ट कार्यशैली से समाज को नई दिशा देने वाले ऐसे व्यक्तित्व सम्मान के वास्तविक अधिकारी हैं। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन कल्पना शर्मा ने कहा कि नई डिस्ट्रिक्ट थीम **"Flight of Dream"** केवल एक विचार नहीं, बल्कि सेवा के नए आयाम स्थापित करने का संकल्प है। क्लब वर्षभर समाजहित की विविध गतिविधियों के माध्यम से इस संकल्प को साकार करेगा। कार्यक्रम में क्लब सचिव लायन सी.पी. शर्मा, क्लब एडमिनिस्ट्रेटर लायन अंजुला अग्रवाल, उपाध्यक्ष लायन विमल जैन, संयुक्त कोषाध्यक्ष लायन कृष्णा शर्मा तथा जोन चेयरमैन लायन बाल किशन सुहालका सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सम्मानित अतिथियों का अभिनंदन करते हुए उनके योगदान को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

"पाटनी परिवार की सादगी और धार्मिक प्रवृत्ति देखकर अभिभूत हूँ": आचार्य श्री पुलकसागर जी महाराज

मनोज सोनी. शाबाश इंडिया

निम्बाहेड़ा। वंडर सीमेंट लिमिटेड परिसर में शुक्रवार को आचार्य श्री 108 पुष्पदंत सागर जी महाराज के परम शिष्य आचार्य श्री 108 पुलकसागर जी महाराज का ससंघ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर वंडर सीमेंट के वाइस चेयरमैन विमल पाटनी, श्रीमती तारिका पाटनी, पाटनी परिवार के सदस्य, आर.के. मार्बल के निर्मल दोषी, वंडर सीमेंट के निदेशक परमानंद पाटीदार, यूनिट हेड नितिन जैन सहित अधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री का विधिवत स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने पाद-प्रक्षालन कर आचार्य श्री के प्रति अपनी श्रद्धा एवं धर्मनिष्ठा व्यक्त की। अपने मंगल प्रवचन में आचार्य श्री ने गुरु भक्ति, सेवा, त्याग, विनम्रता एवं समाज के प्रति समर्पण का संदेश देते हुए कहा कि ''मैं वंडर सीमेंट में आर.के. परिवार की सादगी, अपनापन और संतों के प्रति श्रद्धा देखकर अत्यंत अभिभूत हूँ।'' उन्होंने कहा कि वैभव के साथ त्याग, संस्कार और समाजहित का समन्वय ही किसी परिवार की वास्तविक पहचान होता है। आचार्य श्री ने श्री अशोक पाटनी के व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि उनका जीवन समाजसेवा, धार्मिक आस्था और मानवीय मूल्यों का प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने वंडर समूह के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस प्रकार सीमेंट ईंटों को जोड़कर मजबूत निर्माण करता है, उसी प्रकार धर्म जीवों को जोड़कर समाज को सुदृढ़ बनाता है। अपने प्रवचन में उन्होंने कहा, ''सीमेंट जोड़े ईंट को, धर्म जोड़े जीव को। झुका जो शीश गुरु चरण, उसने जीता जग को। सोच वंडर जैसी बनाओ, व्यक्तित्व भी दमदार होगा। ऐसा जीवन जियो कि जमाना तुम्हारी जय-जयकार करे।'' आचार्य श्री ने पाटनी समूह की धार्मिक एवं सामाजिक सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि नवधा भक्ति के साथ धर्मसेवा में अग्रणी रहने और सुदृढ़ चरित्र के कारण ही यह समूह निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिस संस्था की नींव संस्कार, सेवा और सदाचार पर आधारित होती है, उसकी सफलता भी स्थायी होती है। प्रवचन एवं आहारचर्या के उपरांत आचार्य श्री पुलकसागर जी महाराज ने आर.के. नगर से चित्तौड़गढ़ के लिए विहार किया। इस दौरान पाटनी परिवार, वंडर सीमेंट परिवार तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पदयात्रा के साथ आचार्य श्री एवं संघ की श्रद्धापूर्वक अगवानी और भावभीनी विदाई की।

गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज के तृतीय समाधि दिवस (4 जुलाई) पर विशेष

17 वर्ष की आयु में दीक्षित, युग-प्रतिक्रमण प्रवर्तक और वीरागोदय के प्रणेता: गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज

44 वर्षों के संयमकाल में 350 से अधिक साधु-साध्वियों को दीक्षा देकर मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर किया

जिनशासन के सूर्य, राष्ट्रसंत, भारत गौरव, गणाचार्य, बुन्देलखण्ड के प्रथमाचार्य, युग-प्रतिक्रमण प्रवर्तक, उपसर्ग-विजेता तथा महासंघगणनायक आचार्य भगवन श्री 108 विराग सागर जी महामुनिराज 4 जुलाई 2024 को रात्रि 2:30 बजे समाधिस्थ हुए। उनके समाधिस्थ होने के साथ ही मानो एक युग का अवसान हो गया। यह समाचार मिलते ही सम्पूर्ण जैन समाज शोक एवं भाव-विह्वलता से भर उठा। पथरिया का युवक बना युग-चिंतक गुरुवर श्री विराग सागर जी का जन्म 2 मई 1963 को मध्यप्रदेश के दमोह जिले के पथरिया नगर में हुआ। आपके पूज्य पिताश्री श्री कपूरचंद जी (समाधिस्थ क्षुल्लक श्री विश्ववन्ध सागर जी) तथा पूज्य माताश्री श्रीमती श्यामा देवी (समाधिस्थ विशांत श्री माताजी) थीं। आपको आचार्य श्री 108 सन्मति सागर जी महाराज से 2 फरवरी 1980 को ग्राम बुढ़ार में क्षुल्लक दीक्षा प्राप्त हुई। तत्पश्चात 9 दिसंबर 1983 को आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज से मुनि दीक्षा तथा 8 नवम्बर 1992 को सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि (जिला छतरपुर) में आचार्य पद की प्राप्ति हुई। 350 से अधिक दीक्षाएँ देकर विशाल संघ का निर्माण 44 वर्षों के संयमकाल में गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज ने 350 से अधिक साधु-साध्वियों को दीक्षा प्रदान कर उन्हें मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर किया। विशाल संघ के जननायक पूज्य गुरुदेव की महासमाधि 4 जुलाई 2024 को महाराष्ट्र के जालना नगर के समीप देवमूर्ति ग्राम (सिंदखेड़ राजा मार्ग) पर हुई। वर्तमान में वहाँ उनकी स्मृति में एक भव्य स्मारक का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सृजनशील चिंतक एवं साहित्यकार आचार्य श्री केवल महान तपस्वी ही नहीं, बल्कि एक सृजनशील चिंतक, कुशल संगठनकर्ता एवं उत्कृष्ट साहित्यकार भी थे। उनके गहन चिंतन का परिचय उनकी साहित्यिक कृतियों में मिलता है। उनकी प्रमुख रचनाओं में शुद्धोपयोग, आगम चक्खू साहू, सम्यक दर्शन, सल्लेखना से समाधि, तीर्थंकर ऐसे बने, कर्म विज्ञान (भाग-1 एवं 2), चैतन्य चिंतन, साधना तथा आराधना विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। जयपुर के ऐतिहासिक संस्मरण वर्ष 2012 में जयपुर को गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के सान्निध्य में प्रथम युग-प्रतिक्रमण एवं यति सम्मेलन की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ। शताब्दी के इस प्रथम 20 दिवसीय ऐतिहासिक आयोजन में संघ की 214 पिच्छिकाएँ उपस्थित रहीं। इसके पश्चात द्वितीय युग-

प्रतिक्रमण एवं यति सम्मेलन वर्ष 2017 में झाँसी तथा तृतीय सम्मेलन वर्ष 2023 में पथरिया में सम्पन्न हुआ। इन आयोजनों के माध्यम से लगभग 2,000 वर्ष पुरानी परम्परा का पुनर्जीवन हुआ, जो जैन इतिहास की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है। दीक्षित संत कर रहे हैं धर्म-प्रभावना गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज द्वारा दीक्षित संतों में आचार्य श्री विमर्श सागर जी, आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी, आचार्य श्री विशद सागर जी, आचार्य श्री विभव सागर जी, आचार्य श्री विहर्ष सागर जी, आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी तथा आचार्य श्री विमद सागर जी सहित कुल 9 आचार्य आज अपने-अपने विशाल संघों के साथ देशभर में धर्म-प्रभावना का कार्य कर रहे हैं। ऐतिहासिक पट्टाचार्य पदारोहण महोत्सव 30 अप्रैल 2025 को इन्दौर में 400 से अधिक साधु-संतों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित ऐतिहासिक समारोह में आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज को गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के संघ का पट्टाचार्य पद प्रदान किया गया। इसी अवसर पर प्राकृत भाषा चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 वसुनन्दी जी महामुनिराज के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान द्वारा नव पट्टाचार्य श्री को ''धर्म देशना प्रमुख'' अलंकरण एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जयपुर में विराग-विशुद्ध परम्परा की धर्म-प्रभावना जैन नगरी जयपुर का यह सौभाग्य है कि गत वर्षों की भाँति वर्ष 2026 में भी आचार्य श्री विशद सागर जी महाराज ससंघ, आर्यिका विभा श्री माताजी ससंघ तथा आर्यिका अर्हम् श्री माताजी ससंघ का चातुर्मास जयपुर में सम्पन्न हो रहा है। इससे जयपुर में विराग-विशुद्ध परम्परा की धर्म-प्रभावना सतत प्रवाहित हो रही है। सभी संत भगवंतों के श्रीचरणों में सादर नमोस्तु। नमोस्तु। नमोस्तु। नमोस्तु।

– पदम जैन बिलाला प्रांतीय अध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान

रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर ने नए सत्र के प्रथम दिवस विविध सेवा एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर बापूनगर ने नए रोटरी सत्र के प्रथम दिवस को सेवा, सम्मान और आध्यात्मिक प्रेरणा के साथ मनाया। इस अवसर पर जगतपुरा स्थित अक्षय पात्र परिसर में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विशिष्ट हस्तियों का सम्मान किया गया। क्लब की ओर से पूर्व अभियंता एन. एम. माथुर, डॉ. प्रभा लुहारिया, डॉ. एस. एन. विजयवर्गीय, राजीव सक्सेना, डी. एन. सिन्हा, प्रोफेसर संजीव संचेती, लक्ष्मी सक्सेना तथा सीए शुभम अग्रवाल को समाज के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए ₹हीरो ऑफ सोसाइटी₹ सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्लब के लगभग 80 सदस्यों ने गुप्त वृंदावन धाम में आयोजित आरती में सहभागिता की तथा आध्यात्मिक प्रवचन का श्रवण कर जीवन में सुख, संतुलन एवं सकारात्मकता बनाए रखने के प्रेरक सूत्र सीखे। क्लब अध्यक्ष सतीश गोयल ने सभी सम्मानित अतिथियों एवं क्लब सदस्यों का स्वागत करते हुए नए सत्र के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि क्लब समाजसेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं

जनकल्याण से जुड़े विभिन्न सेवा प्रकल्पों को पूरे समर्पण के साथ आगे बढ़ाता रहेगा। उन्होंने सदस्यों से निरंतर सहयोग की अपेक्षा व्यक्त करते हुए उनके विश्वास पर खरा उतरने का भरोसा भी दिलाया।

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन ने गौसेवा एवं पौधारोपण के साथ नए सत्र का किया शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन ने ''सेवा ही सर्वोपरि'' की भावना को साकार करते हुए नए रोटरी सत्र 2026-27 की शुरूआत दुर्गापुरा गौशाला में गौसेवा एवं पौधारोपण कार्यक्रम के साथ की। सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित इस आयोजन में क्लब के लगभग 325 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने गौशाला में गायों को हरा चारा, सब्जियाँ एवं गुड़ खिलाकर गौसेवा की। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए गौशाला परिसर में विभिन्न फलदार प्रजातियों के 250 पौधे लगाए गए। पौधारोपण अभियान को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रत्येक सदस्य को एक-एक पौधा भी भेंट किया गया। क्लब अध्यक्ष मोहित अग्रवाल ने बताया कि नए सत्र के शुभारंभ के अवसर पर डॉक्टर्स डे एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे भी केक काटकर उत्साहपूर्वक मनाया गया तथा समाज के प्रति इन दोनों वर्गों के योगदान की सराहना की गई। क्लब के सचिव सचिन जैन ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एकेएस अरुण बागड़िया तथा विशिष्ट अतिथि संजय कौशिक रहे। उन्होंने सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए क्लब को नए सत्र के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर क्लब के कोषाध्यक्ष महेश शर्मा, चार्टर अध्यक्ष सुधीर गोधा, अमित अग्रवाल, प्रमोद पहाड़िया, दिनेश बज, पूर्व अध्यक्ष संजय

अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, रानी जैन सहित रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश देते हुए सभी सदस्यों ने नए सत्र में जनहित के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

महावीर इंटरनेशनल के सेवा पखवाड़े के तृतीय दिवस दिव्यांग एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित की शिक्षण सामग्री

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। ''सबकी सेवा, सबको प्यार-जियो और जीने दो'' के ध्येय वाक्य को साकार करते हुए महावीर इंटरनेशनल, कुचामन सिटी के 52वें स्थापना सेवा पखवाड़े के तृतीय दिवस शुक्रवार को दो विद्यालयों में दिव्यांग एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षण सामग्री वितरित की गई। पहला कार्यक्रम पीएम श्री जवाहर राजकीय माध्यमिक विद्यालय, कुचामन सिटी में आयोजित हुआ। इस अवसर पर दिव्यांग विद्यार्थियों को कॉपियाँ, पेन, पेंसिल, रबर, शार्पनर, ज्योमेट्री बॉक्स, बिस्कुट सहित अन्य आवश्यक शिक्षण सामग्री प्रदान की गई, ताकि उनकी शिक्षा में सहयोग मिल सके। कार्यक्रम विद्यालय की प्रधानाचार्य मंजू चौधरी, पार्षद अयूब शेख तथा महावीर इंटरनेशनल मिशन प्रोजेक्ट, अजमेर जोन के कन्वीनर वीर सुभाष पहाड़िया के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, वीर सुरेन्द्र सिंह दीपपुरा एवं वीर नन्दकिशोर बिड़सर ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है और समाज के प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा के आवश्यक संसाधन पहुँचाना हम सभी का नैतिक दायित्व है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय परिवार के दयाराम, सुरज्ञान, रामस्वरूप जाट, रेखाराम, रामस्वरूप एवं सुमन का सराहनीय सहयोग रहा। इसी क्रम में संस्था द्वारा सेवा भारती समिति संचालित संत रैदास बाल संस्कार केंद्र, अंबेडकर कॉलोनी, कुचामन में भी जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर अध्यापक सुखदेव एवं मोहनी देवी की उपस्थिति में वीर रामावतार गोयल, वीर सुभाष पहाड़िया, वीर सम्पत बगड़िया, वीर सुरेन्द्र सिंह दीपपुरा तथा श्रीकांत मिश्रा ने विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

गौसेवा एवं नशामुक्ति के संकल्प के साथ पांच दिवसीय जन-जागरण अभियान का समापन

नवापारा-राजिम. शाबाश इंडिया। पांच दिवसीय ''गौ आह्वान सम्मान हस्ताक्षर अभियान'' एवं ''गांव-गांव गौ ग्राम जन-जागरण यात्रा'' का भव्य समापन ग्राम पंचायत तर्री, नवापारा में हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को गौसंरक्षण, गौपालन एवं नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने संकल्प लिया। ''घर-घर में होगी गाय, नहीं पिलाई जाएगी दारू। घर को नशामुक्त बनाना है, हर परिवार में एक गाय पालना है। आइए, सब मिलकर गौ माता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाने का संकल्प लें।'' कार्यक्रम का संचालन रवि शंकर साहू ने किया। इस अवसर पर श्री गोपाल गौशाला के उपाध्यक्ष प्रफुल्ल दुबे तथा जनपद सदस्य प्रतिनिधि संतोष मिश्रा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति, कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि गाय से प्राप्त दूध, गोबर एवं गौमूत्र किसानों के लिए अमूल्य संपदा हैं, जो जैविक खेती को बढ़ावा देने के साथ परिवारों की आर्थिक समृद्धि में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वक्ताओं ने नशामुक्त समाज के निर्माण का आह्वान करते हुए कहा कि युवाओं एवं समाज को नशे से दूर रहकर गौसेवा और सामाजिक मूल्यों को अपनाना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक परिवार से कम से कम एक गाय पालने तथा गौसंरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। अभियान का सफल संचालन तहसील प्रभारी रूपेंद्र चंद्राकर के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से गौ सम्मान हस्ताक्षर अभियान से जुड़कर गौसंरक्षण के इस जनआंदोलन को मजबूत बनाने का आग्रह किया। समापन अवसर पर सभी ग्रामीणों ने गौसंरक्षण, नशामुक्ति तथा प्रत्येक घर में गौपालन को बढ़ावा देने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में ग्राम सरपंच प्रतिनिधि लखन सिन्हा ने सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच गोल्डी वर्मा, गौसेवक बादल देवांगन, सुंदर सिंह ठाकुर, मुन्ना यादव, रवि साहू, डॉ. टीकम वर्मा, टोमन सतनामी, प्यारेलाल देवांगन, श्रीमती शांति बाई साहू, श्रीमती सरोज साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बड़ों के चरण स्पर्श करना महान संस्कार है: गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी

सेठी कॉलोनी दिगम्बर जैन मंदिर में धर्मसभा आयोजित, इन्द्रध्वज महामण्डल विधान के प्रमुख पात्रों का हुआ चयन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सेठी कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में शुक्रवार को आयोजित धर्मसभा में आचार्य रत्न बाहुबली महाराज की पट्टशिष्या गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी ने श्रद्धालुओं को संस्कार, विनम्रता एवं पारिवारिक मूल्यों का महत्व बताते हुए कहा कि घर से किसी भी शुभ कार्य के लिए निकलते समय माता-पिता, दादा-दादी, गुरुजनों तथा परिवार के बड़े सदस्यों के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लेना भारतीय संस्कृति का महान संस्कार है। उन्होंने कहा कि बड़ों के चरण स्पर्श करना केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि विनम्रता, कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है। जब व्यक्ति बड़ों के चरण स्पर्श करता है, तब उसका अहंकार समाप्त होता है और उसके भीतर संस्कार जागृत होते हैं। बड़ों का आशीर्वाद जीवन में आत्मविश्वास, सकारात्मकता एवं शुभ भावों का संचार करता है। गणिनीप्रमुख जिनदेवी माताजी ने कहा कि बड़ों का अनुभव और उनकी शुभकामनाएँ जीवन में अदृश्य शक्ति एवं सुरक्षा कवच की तरह कार्य करती हैं। जिस घर में बड़ों का सम्मान होता है, वहाँ सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। विनय से ज्ञान की प्राप्ति होती है, संबंधों में मधुरता आती है और जीवन में उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। जो व्यक्ति अपने से बड़े लोगों का सम्मान करना जानता है, वह समाज में भी आदर का पात्र बनता है। उन्होंने कहा कि बिना प्रणाम किए घर से निकलना एक श्रेष्ठ संस्कार से स्वयं को वंचित करना है। चाहे कितनी भी व्यस्तता क्यों न हो, घर से निकलते समय बड़ों का आशीर्वाद अवश्य लेना चाहिए। ''जिस घर में प्रतिदिन बड़ों के चरण स्पर्श की परंपरा जीवित रहती है, वहाँ केवल बच्चे ही बड़े नहीं होते, बल्कि संस्कार भी पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ते हैं। बड़ों का आशीर्वाद जीवन की वह अमूल्य पूँजी है, जो हर कठिन राह को सरल बनाने की शक्ति देता है।'' धर्मसभा का समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ। राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः मूलनायक भगवान महावीर स्वामी के अभिषेक एवं शांतिधारा के बाद धर्मसभा का शुभारंभ चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने पूज्य माताजी का पाद-प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की। मंदिर समिति के अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी, महामंत्री धर्मीचंद कासलीवाल एवं राकेश मुशर्रफ ने बताया कि अष्टान्हिका पर्व के अवसर पर 21 जुलाई से 29 जुलाई तक पूज्य माताजी के सान्निध्य में श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, सेठी कॉलोनी में मंदिर प्रबंधकारिणी समिति एवं श्री सन्मति महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में श्री 1008 इन्द्रध्वज महामण्डल विधान पूजा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में 3 जुलाई 2026 को प्रातः 7 बजे इन्द्रध्वज विधान के प्रमुख पात्रों का चयन किया गया। इसमें सौधर्म इन्द्र के रूप में सुनील सेठी-कनिका सेठी, कुबेर इन्द्र के रूप में अशोक सोगानी-सुषमा सोगानी, यज्ञनायक के रूप में पदमचंद बैनाडा-मालती बैनाडा तथा ईशान इन्द्र के रूप में अनिल जैन-कविता जैन को सौभाग्य प्राप्त हुआ।

एलीट किटी ग्रुप ने पौधारोपण कर पौधों को जीवित रखने का लिया संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ एलीट किटी ग्रुप के लगभग 100 सदस्यों एवं परिजनों ने पौधारोपण अभियान में भाग लेते हुए पौधे लगाने के साथ-साथ उन्हें जीवित रखने का भी संकल्प लिया। ग्रुप के प्रमोद गुप्ता ने बताया कि अभियान के अंतर्गत आम, जामुन, बादाम सहित विभिन्न फलदार पौधों का वितरण एवं रोपण किया गया। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक आवश्यक उनका संरक्षण एवं नियमित देखभाल करना है। सुनील खंडेलवाल ने बताया कि समूह के लगभग 100 सदस्य अपने-अपने घरों अथवा आसपास के क्षेत्र में एक-एक पौधा लगाएंगे तथा उसके संरक्षण के लिए नियमित सिंचाई एवं देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाएंगे, ताकि पौधे वृक्ष बनकर पर्यावरण को समृद्ध कर सकें। गुप्ता परिवार की ओर से रेनू रमेश गुप्ता ने प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराए। उन्होंने बताया कि ये पौधे प्रतिवर्ष स्वर्गीय चिरंजीलाल जी गुप्ता की स्मृति में विभिन्न संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों को भेंट किए जाते हैं। रेनू गुप्ता ने कहा कि फलदार पौधों का रोपण पर्यावरण संरक्षण के

साथ-साथ पोषण और जैव विविधता को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने सभी से अधिकाधिक पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर गीता प्रमोद गुप्ता, रश्मि मनु जैन, भारत गुप्ता, आभा गुप्ता, दिनेश खंडेलवाल, सुनीता खंडेलवाल, राजू गुप्ता, शोभा गुप्ता, ब्रजेश खंडेलवाल, सुधा खंडेलवाल सहित अनेक सदस्यों ने पौधे ग्रहण कर पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई।